म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

प्रारंभिक अंग्रेज़ी

साझा पठन

भारत में विद्यालय
समर्थित शिक्षक-शिक्षा
www.TESS-India.edu.in

CC BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid
from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12/1/16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रक्रिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त,सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीय करण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE06v2
Madhya Pradesh
तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है*: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3*
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई पढ़ने के अध्यापन के लिए एक मुख्य कार्यक्रम की पेशकश करती है जिसे साझा पठन कहतें हैं। इस इकाई में पठन (Reading) के बाद की साक्षरता संबंधी गतिविधियों की भी जाँच की जाती है।

साझा पठन में आप ऐसी किसी बड़ी पुस्तक या टेक्स्ट से संपूर्ण कक्षा या बच्चों के समूह को ऊंचे स्वर में पढ़कर सुनाते हैं जिसे हर कोई देख सके। साझा पठन मौखिक भाषा और लेखन पर एक केन्द्र के रुप में एकीकृत होता है। जब आप बच्चों को ऊँचे स्वर में, उत्साहपूर्वक और अभिव्यक्ति के साथ, पढ़कर सुनाते हैं, तब आप प्रदर्शित करते हैं कि धाराप्रवाह पठन सुनने में कैसा लगता है। आप बच्चों के ध्यान को लिखित पाठ और उसे पढ़ने की प्रक्रिया पर केंद्रित करते हैं। आप सभी बच्चों को मौखिक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके पठन के आनंद को मूर्तरूप भी देते हैं।

कक्षा के लिए ऊँचे स्वर में पढ़ने, और बच्चों के समूहों के साथ पढ़ने से, आपको स्वयं अपने भाषाई कौशलों को सुधारने में मदद मिलेगी। साझा पठन हिंदी और अन्य भाषाओं में पठन के अध्यापन के लिए भी प्रभावशाली होता है।

इस इकाई आप से क्या सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी भाषा में साझा पठन का अभ्यास।
- अंग्रेज़ी भाषा साझा पठन के लिए एक बड़ी क़िताब तैयार करना।
- पठन के बाद की साक्षरता गतिविधियों की योजना।

1 साझा पठन का आरंभ करना

साझा पठन के लिए प्रयुक्त किसी कविता को देखते हुए शुरू करें।

गतिविधि 1: साझा पठन

साझा पठन का अर्थ यह है कि आप पाठ को पढ़ने में अपने विद्यार्थियों का नेतृत्व करते हैं और आप पठन के लिए सशक्त अनुकरणीय व्यक्ति हैं। बच्चों के लिए आपके साथ पाठ को देखना और समझना संभव होना चाहिए।

साझा पठन में, आप:

- अपने हाथ या संकेतक के रूप में छड़ी को उपयोग करते हुए सभी बच्चों को आपके पढ़ते समय पाठ को समझने के लिए प्रोत्साहित करे
- बच्चों को पठन में शामिल होने, आपकी बात को दोहराने या मिलकर पढ़ें।
- अभिव्यक्ति के साथ कैसे पढ़ा जाता है उसका आदर्श प्रस्तुत करें।
- नए शब्दों को पढ़ने और उनका उच्चारण करने का प्रदर्शन करें ।
- जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, अक्षरों, शब्दों और वाक्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन मूल अर्थ और आनंद को यथावत रखें

चित्र 1 में कविता को देखें, जो कागज के एक बड़े टुकड़े पर लिखी गई है। इसे कक्षा II के विद्यार्थियों के लिए एक अध्यापक ने बनाया था। इसे ऊँचे स्वर में पढ़ें।

चित्र 1 साझा पठन की एक कविता।

विचार कीजिए

- अध्यापक और बच्चे कविता के रिक्त स्थानों के साथ क्या कर सकते हैं?
- कविता में बच्चों के नामों को शामिल करने का क्या प्रभाव होगा?
- आपके विचार में अध्यापक ने 'I', 'to', 'school' और 'the' शब्दों को क्यों हाइलाइट किया है?
- क्या आपको लगता है इसे नन्हे बच्चों के साथ ऊँचे स्वर में पढ़ना मज़ेदार होगा?
- क्या आपको लगता है इस कविता का साझा पठन सभी बच्चों को, उनकी क्षमताएं चाहे कुछ भी हों, शामिल कर सकेगा?
- बच्चों को कविता को सजाने की अनुमति देने का क्या प्रभाव है?

आप किसी भी विषय, जैसे शरीर के भागों, संख्याओं, इतिहास या भूगोल के किसी विषय, या किसी गीत के शब्दों, पर साझा पठन पाठ तैयार कर सकते हैं। चित्र 2 में हाथों से बना उदाहरण देखें।

चित्र 2 इंद्रधनुषों के विषय का उपयोग करते हुए साझा पठन।

यदि आप सभी विषय पढ़ाने वाले अध्यापक हैं, तो साझा पठन विषय संबंधी ज्ञान और भाषाई कौशलों दोनों को विकसित और सुदृढ़ कर सकता है।

2 साझा पठन के लिए पाठ का चयन करना

केस–स्टडी 1 में अध्यापक एक सरल कहानी से साझा पठन का आयोजन करता है।

केस–स्टडी 1: सुश्री समरीन साझा पठन का आयोजन करती हैं

सुश्री समरीन बिहार में कक्षा तीन की अध्यापिका हैं।

पहले मैंने एक बड़ी पुस्तक तैयार की, ताकि मेरे बच्चे शब्दों और चित्रों को आसानी से देख सकें। कहानी थी 'एक नन्ही लाल मुर्गी' और मैंने उन्हें यह कहानी पिछले सप्ताह पढ़कर सुनाई, ताकि बच्चे कहानी से पहले से परिचित हों। (आप इस कहानी को संसाधन 1 में देख सकते हैं।)

मैंने बच्चों को अपने इर्द-गिर्द समूह में इस तरह खड़ा किया, कि वे सभी पृष्ठों को देख सकें। मेरी कक्षा में प्रवासी कामगारों के बच्चे हैं जो अक्सर अनुपस्थित रहते हैं। मैंने उन्हें समूह के सामने की ओर रखा ताकि सुनिश्चित हो कि वे सम्मिलित रहें और मैं उनकी भागीदारी पर नज़र रख सकूँ।

मैंने पढ़ने से पहले समझाया कि हम सब मिलकर एक किताब पढ़ेंगे। मैंने उन्हें किताब का मुखपृष्ठ दिखाया और याद दिलाया कि उन्होंने वह कहानी पहले से सुन रखी है। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्हें उसके बारे में कुछ याद आ रहा है। उन्होंने एक-दो चरित्रों के नाम बताए जो उन्हें याद थे।

तब मैंने उनसे कहा कि जब मैं अपनी उंगली को किताब के शब्दों के नीचे चलाऊँ तब वे उसका अनुसरण करें, मुझे सुनें तथा मेरे साथ ऊँचे स्वर में पढ़ें। मैंने किताब के शीर्षक के साथ अभ्यास करके जाँच की कि उन्होंने मेरे अनुदेश समझ लिए थे।

मैंने बच्चों से यह पूछते हुए शुरू किया, 'क्या आप तैयार हैं?' फिर मैं पहले पृष्ठ पर गई, और पाठ पर अपनी उंगली चलाते हुए उसे ऊंचे स्वर में धीमी गति से और साफ-साफ पढ़ने लगी। विद्यार्थी पहले तो थोड़ा सा झिझके, लेकिन जब एक-दो बच्चें मेरी नकल करने लगे, तो अन्य भी शामिल हो गए, और हर नए पृष्ठ के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। उच्चारण पर जोर देने के लिए, मैंने आवाज़ की शैली को जरा सा बढ़ाया, और हर चरित्र के साथ मेल खाने के लिए आवाजें बदलने लगी। जहाँ मुझसे हो सका, मैंने ऐसे भाव और क्रियाएं कीं जिनकी बच्चे पढ़ते समय नकल कर सकते थे, जैसे अपने सिर को झुकाना या हिलाना, या अपने हाथ से इशारे करना।

चूंकि बच्चों के लिए साझा पठन नई चीज थी, मैंने उन्हें आकर्षित करने और आवेग को बनाए रखने के लिए मुख्य तौर पर कहानी की प्रगति और उसके चरित्रों पर ध्यान दिया। कभी-कभी किसी पृष्ठ को शुरू करने के पहले हम रुकते थे और मैं किसी चरित्र या चित्र की ओर इशारा करके पूछ लेती, 'यह कौन है?', 'वह क्या है?' या 'वह क्या कर रहा है?', और तब विद्यार्थी उत्तर देते थे। वे पूरी तरह से सटीक थे या नहीं यह इतना महत्वपूर्ण नहीं था। मेरा लक्ष्य पठन में उनकी भागीदारिता को प्रोत्साहित रना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना था। गति में परिवर्तन करने और भ्रांति का तत्व उत्पन्न करने के लिए, धीरे से अगला पन्ना पलटने से पहले मैं उनसे यह भी पूछती थी, 'आपके विचार में आगे क्या हुआ?'।

इस कहानी में दोहराए जाने वाले वाक्यांश हैं। दूसरे या तीसरे दोहराव पर, मैं शुरू में जरा सा ठहर जाती थी और बच्चे स्वयं उस वाक्यांश को बोलकर जारी रखते थे। उन्हें ऐसा करके खुशी होती थी, और उन्हें यह एक तरह का खेल लगता था।

जब हमने किताब पूरी पढ़ ली, तब मैंने बच्चों से उसके बारे में कुछ सरल प्रश्न पूछे। मैंने किसी एक को चुनने और उसे उत्तर देने को कहने की बजाय विद्यार्थियों से कहा कि यदि वे उत्तर जानते हैं तो अपने हाथ उठाएं। इससे मुझे पता लगा कि उन्होंने कहानी को कितना समझा था। जहाँ आवश्यक हुआ, वहाँ मैंने उनके उत्तरों को अंग्रेजी भाषा में और उनकी घर की भाषा में बोलकर सुनाया।

विचार कीजिए

- अपने विद्यार्थियों को साझा पठन के लिए तैयार करने के लिए सुश्री समरीन ने क्या किया?
- उन्होंने साझा पठन में उनके ध्यान को बनाए रखने के लिए किन तकनीकों का उपयोग किया?
- उन्होंने जो कुछ मिलकर पढ़ा उसके बारे में उनकी समझ का मूल्यांकन कैसे किया?
- क्या ऐसी कोई बात है जो आपको उनके पाठ के बारे में खास तौर पर पसंद आई? क्या ऐसी कोई चीज है जिसे आप अलग तरीके से करते?
- आपके विचार से साझा पठन हाशिए पर स्थित समूहों के बच्चों को सम्मिलित करने में कैसे सहायता कर सकता है?

सुश्री समरीन ने अपने पाठ में कई तकनीकों का उपयोग किया ताकि विद्यार्थियों में कहानी की रुचि को जगाने में मदद हो सके और उनकी शिक्षा में सहायता कर सके। हो सकता है आप अपने विद्यार्थियों के साथ इनमें से कुछ तकनीकों का पहले से उपयोग करते हों, या ये सभी तकनीकें आपके लिए नई भी हो सकती हैं। इन सभी तकनीकों का कक्षा में उपयोग सरल है और अगली गतिविधियों । यदि पहली बार उनके उपयोग के समय सब कुछ

ठीक ढंग से न चले तो कृपया हिम्मत न हारें। हम सबको चीजों को नए ढंग से करने के लिए अभ्यास की जरूरत होती है – यह आप और आपके विद्यार्थियों दोनों पर लागू होता है। बार-बार अभ्यास से, आप और आपके विद्यार्थी दोनों इन नई तकनीकों का उपयोग करने में अधिक आत्मविश्वासी हो जाएंगे तथा आपके विद्यार्थियों की शिक्षा में सुधार होगा।

गतिविधि 2: साझा पठन के लिए कोई पाठ चुनें – योजना गतिविधि

यदि संभव हो तो इसे किसी साथी शिक्षक के साथ करें। यह आपके द्वारा अपने पाठ के लिए तैयारी के लिए करने की नियोजन गतिविधि है।

कोई पाठ चुनें जिसका उपयोग आप साझा पठन के लिए कर सकते हैं। यह कोई ऐसी कहानी हो सकती है जो आप पहले से ही ऊँचे स्वर में पढ़कर सुना चुके हैं, या किसी अन्य कक्षा की पाठ्यपुस्तक या किसी भी अन्य पुस्तक की कोई कहानी हो सकती है। यह कोई लघु कविता हो सकती है, या किसी विषय क्षेत्र, उदाहरण के लिए, जल चक्र पर कोई आसान पाठ हो सकता है। यह कोई लघु कविता हो सकती है, या किसी विषय क्षेत्र, उदाहरण के लिए, जल चक्र पर कोई आसान पाठ हो सकता है। यदि आप कहानी या कविता का चुनाव करते हैं, तो उनमें ऐसी जगहों का पता लगाने का प्रयास करें जहाँ विद्यार्थी शब्दों या वाक्यांशों को दोहरा सकें और आपके साथ शामिल हो सकें।

आप अपनी खुद की कल्पना से अपनी कहानी या कविता रच सकते हैं। ऐसा करते समय आप विद्यार्थियों और स्थानीय मशहूर स्थानों के नाम उसमें शामिल कर सकते हैं।

पाठ की लंबाई छोटी होनी चाहिए, और वास्तविक पठन में दस मिनट से अधिक नहीं लगने चाहिए। पाठ के लिए मापदंडों पर विचार करें, उदाहरण के लिए:

- विद्यार्थियों की रुचियाँ और पृष्ठभूमियाँ
- विषय के साथ विद्यार्थियों का या आपका अपना परिचय
- अंग्रेजी भाषा के प्रति विद्यार्थियों का या आपका अपना आत्मविश्वास
- स्थानीय लोग, मशहूर स्थान या घटनाएं
- स्थानीय भाषाएं - आप अंग्रेजी भाषा और अन्य भाषाओं का संयोजन करने वाला साझा पठन पाठ बना सकते हैं
- ऐसी संभव घिसी-पिटी बातें जिनसे बचना है या जिन पर चर्चा करनी है।

उपयुक्त कहानियों के उदाहरणों के लिए संसाधन 1 देखें।

अपने पाठ का चुनाव कर लेने के बाद, उसे किसी साथी अध्यापक या अपने परिवार के किसी सदस्य को ऊँचे स्वर में सुनाकर अभ्यास करें। याद रखें इसे स्थिर गति पर ऊँचे स्वर में पढ़ने में आपको दस मिनट से अधिक नहीं लगने चाहिए।

कक्षा के आयोजन और अपने बच्चों से पहले योजना करने के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 2, 'पाठों की योजना' देखें।

3 बडी पुस्तक बनाना और उपयोग करना

अगली गतिविधि में आप अपने द्वारा चुने गए पाठ की एक बड़ी पुस्तक बनाएंगे।

गतिविधि 3: बड़ी पुस्तक बनाना – योजना गतिविधि

यह आपके पाठ की तैयारी में आपके द्वारा करने की गतिविधि है।

अधिक पाठ और चित्रों से युक्त बड़ी पुस्तक एक अच्छा संसाधन होती है जिसे समझना विद्यार्थियों के लिए आसान होता है। विद्यार्थियों को भी अपनी बड़ी पुस्तकें बनाने, अपनी पसंद की किसी कहानी की नकल करने और उसे चित्रित करने या खुद अपनी कहानी या कविता का सृजन करने में आनंद मिलता है।

आप सारी कक्षा के लिए एक बड़ी पुस्तक का उपयोग कर सकते हैं, या आप एक समूह को एक बड़ी पुस्तक दे सकते हैं और एक या दो सक्षम या बड़े बच्चों को पठन का नेतृत्व करने को कह सकते हैं।

1. गतिविधि 2 में साझा पठन के लिए आपके द्वारा चुना गया पाठ लें।
2. पाठ को दो या तीन वाक्यों के भागों में बाँट लें।
3. इन भागों में से प्रत्येक को कागज के टुकड़ों पर बड़े अक्षरों में लिखें। कागज की एक शीट पर दो या तीन से अधिक वाक्य न लिखें।
4. प्रत्येक शीट को उपयुक्त ढंग से चित्रित करें। आप उस पर चित्र भी चिपका सकते हैं या विद्यार्थियों से चित्र बनाने को कह सकते हैं।
5. कहानी के लिए एक आकर्षक मुखपृष्ठ की डिजाईन करें, या विद्यार्थियों द्वारा कहानी को पढ़ लेने के बाद उनसे ऐसा करने को कहें।

6. सभी शीटों को मुखपृष्ठ के साथ मिलाकर पिन लगाएं/बाधें।

आप पुनर्चक्रित सामग्रियों से अपनी बड़ी पुस्तक के लिए एक सरल स्टैंड बना सकते हैं।

चित्र 3 में शिक्षिका को उनके विद्यार्थियों के साथ देखें। उन्होंने बड़ी पुस्तक के लिए कार्ड बोर्ड का सरल स्टैंड बनाया है।

चित्र 3 एक शिक्षिका ने बड़ी पुस्तक के लिए स्टैंड बनाने के लिए कार्डबोर्ड का उपयोग किया है।

गतिविधि 4: अपनी बड़ी पुस्तक का अपने विद्यार्थियों के साथ उपयोग करना

अब बड़ी पुस्तक को ऊँचे स्वर में, धीरे-धीरे और साफ-साफ पढ़ने का अभ्यास करें। उत्साह और अभिव्यक्ति के साथ पढ़ें। यदि संभव है तो स्वयं को रिकार्ड करें (आप इस के लिए अपने मोबाइल फोन का उपयोग कर सकते हैं), या किसी साथी या अपने परिवार के किसी सदस्य के सामने ऊँचे स्वर में पढ़ सकते हैं।

हर शब्द को पढ़ते समय अपने हाथ या छड़ी से उसकी तरफ इशारा करें। अपने हाथ या छड़ी को शब्दों के ठीक नीचे रखकर चलाएं, ताकि विद्यार्थी आपके पढ़ते समय हर शब्द को देख सकें।

कहानी या कविता को पढ़ने से पहले उन शब्दों की सूची बना लें जिनसे आप विद्यार्थियों का परिचय करवाना चाहते हैं। इन शब्दों से परिचय आप कैसे करवाएंगे? क्या आप उनका अर्थ समझाने के लिए हिंदी या स्थानीय भाषा के पिक्चर कार्डो का उपयोग करेंगे? भाषा से संबंधित ऐसी विशिष्ट बातों को नोट करें जिन पर आप ध्यान देना चाहते हैं, जैसे:

- चरित्रों का वर्णन
- वर्ण और ध्वनियाँ
- तुकांत शब्द
- नई शब्दावली
- शब्द पहचान को सुदृढ़ करना
- वाक्यों की रचनाएं और व्याकरण
- नई अवधारणाएं।

सोचें कि आप विद्यार्थियों का पाठ से परिचय कैसे कराएंगे और उन्हें पठन के लिए कैसे आयोजित करेंगे।

पाठ में उन बिंदुओं की पहचान करें जहाँ आप रुक कर विद्यार्थियों से किसी शब्द या तुक का पूर्वानुमान करने को कह सकते हैं, या पूछ सकते हैं कि आगे क्या होगा।

सोचें कि आप पठन के बाद विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन कैसे करेंगे।

पूरी कक्षा या छोटे समूहों में सप्ताह भर चलने वाले साझा पठन सत्र में अपनी बड़ी पुस्तक आजमाएं। क्या आपके विद्यार्थियों को गतिविधि में मज़ा आया? क्या आपको बड़ी पुस्तक का उपयोग करने में मज़ा आया? क्या सभी विद्यार्थी आपको सुन और बड़ी पुस्तक को देख सके?

विद्यार्थियों की समझ का मूल्यांकन करने का एक प्रभावी तरीका है उनसे पाठ को दोबारा सुनाने को कहना। विद्यार्थी यह काम जोड़ियों या छोटे समूहों में, या व्यक्तिगत रूप से भी कर सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा बोलने का अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। बड़े और अधिक सक्षम विद्यार्थी अपनी समझ के विषय में लिख सकते हैं।

4 पठन के बाद की गतिविधियों का उपयोग करना

साझा पठन का सर्वाधिक लाभ उठाने के लिए, एक अच्छी परिपाटी है विद्यार्थियों को पठन के बाद की ऐसी गतिविधियाँ देना जो कहानी या कविता से संबंधित हों। ये गतिविधियाँ भाषा सीखने की प्रक्रिया को मज़ेदार ढंग से सुदृढ़ करेंगी। विद्यार्थी इन गतिविधियों को सप्ताह भर की अवधि में कर सकते हैं।

गतिविधि 5: पठन के बाद की गतिविधियाँ

संसाधन 3 की सामग्रियों को पढ़ें। ये उन गतिविधियों के उदाहरण हैं जिन्हें विद्यार्थी साझा पठन के बाद कर सकते हैं। उस पाठ, जिसे आपने साझा पठन के लिए चुना था या अन्य किसी पाठ के आधार पर, इनमें से किसी संसाधन को चुनें, अनुकूलित करें और तैयार करें।

विद्यार्थियों को करके दिखाना कि आप उनसे दिए गए कार्य को किस तरह से पूरा करवाना चाहते हैं एक अच्छी परिपाटी है। आप अपने द्वारा चुनी गई गतिविधि का परिचय कैसे देंगे?

जब आप कक्षा के साथ गतिविधि का उपयोग साझा पठन गतिविधि के बाद करते हैं, तो इन प्रश्नों पर विचार करें:

- क्या आपके सभी विद्यार्थियों ने भाग लिया?
- क्या इस गतिविधि ने उनके सीखने का मूल्यांकन करने में आपकी मदद की?
- क्या कोई ऐसे विद्यार्थी थे जिन्होंने अपने सीखने में प्रगति नहीं की?
- यह तय करने का प्रयास करें कि आप इन विद्यार्थियों की अगले पठन सत्र में कैसे मदद कर सकते हैं – क्या आपको अलग तरह का पाठ, या अधिक आसान या अधिक कठिन पाठ चुनना चाहिए?

वीडियो: पाठों की योजना बनाना

5 सारांश

इस इकाई में आपका परिचय साझा पठन से करवाया गया है। साझा पठन में, समझ, समग्र अर्थ और आनंद, और साथ ही नए शब्दों को पढ़ने के लिए विशिष्ट पठन कार्यनीतियों पर ध्यान दिया जाता है। साझा पठन में मौखिक भाषा और लेखन पर केन्द्रित भाव एकीकृत होते हैं। इस इकाई ने आपका परिचय पठन के बाद की साक्षरता गतिविधियों से भी करवाया है।

हमें आशा है कि आपको बड़ी पुस्तक बनाने और उसे अपने विद्यार्थियों के साथ आजमाने का अवसर मिला है। जब आप आपकी अपनी पठन सामग्रियाँ बनाते हैं आप अपनी कक्षा के लिए एक सस्ती लाइब्रेरी बनाना शुरू कर सकते हैं।

इस विषय पर अन्य आरंभिक अंग्रेजी भाषा अध्यापक विकास इकाइयाँ हैं:

- *अंग्रेज़ी भाषा वर्ण और ध्वनियाँ*
- *कहानी सुनाना*
- *पाठ की योजना तैयार करना*
- *पाठ सज्जा*
- *पठन कौशल – विकास एवं मॉनिटरिंग*
- *पढ़ने का माहौल कैसे बनायें*

संसाधन

संसाधन 1– साझा पठन के लिए कहानियों के उदाहरण

दोहराए जाने वाले पाठ से युक्त कहानी साझा पठन के लिए अच्छी होती है। विद्यार्थियों को दोहरावों में मज़ा आता है और सामूहिक पठन के दौरान संकेतों को वे शीघ्रता से समझते हैं।

Example 1: 'A Little Red Hen'

A red hen and her three chicks lived on a farm.

A cat, a dog and a pig lived on that farm too.

One day a chick saw something on the ground.

'What is this?' the chick asked the hen.

'This is ragi. We will plant them,' said the red hen.

'Please help me, cat,' the hen said to the cat.

'No,' said the cat. 'I am playing.'

'Please help me, pig,' the hen said to the pig.

'No,' said the pig. 'I am tired.'

'Please help me, dog,' the hen said to the dog.

'No,' said the dog. 'I am sleepy.'

'Then I will plant it,' said the hen.

The ragi plant grew big. It was time to cut the ragi.

'Please help me, cat,' said the hen.

'No,' said the cat. 'I am playing.'

'Please help me, dog,' said the hen.

'No,' said the dog. 'I am sleepy.'

'Please help me, pig,' said the hen.

'No,' said the pig. 'I am tired.'

'Then I will cut the ragi,' said the hen.

The hen and the chicks sat down to eat ragi.

Now the cat, the pig and the dog were hungry.

'Please give me some ragi, hen,' said the cat.

'Please give me some ragi, hen,' said the pig.

'Please give me some ragi, hen,' said the dog.

'No,' said the hen. 'No work, no ragi.'

The hen and the chicks ate the ragi. They were very happy.

Example 2: 'Sharma's Present'

Sharma's present

There was a teacher named Sharma. He lived in a village named Sripur.

All the children came to school every day at 9 o'clock. But Sharma was always late.

Sharma never woke up on time. He ran to school every morning. The children near his house came out and laughed.

But Sharma's students had to wait for their teacher every day, so they felt sad.

They thought of a plan to help their teacher to wake up early. The

children decided to give their teacher a present.

Sharma was very happy to get a present from his students. But what was the present? It was a cock.

Sharma named the cock Ramu. Ramu crowed loudly at sunrise every day. Sharma was able to get up on time.

Both the children and Sharma were very happy.

संसाधन 2 पाठ योजना करना

योजना बनाना और तैयारी करना क्यों जरूरी हैं

अच्छे पाठों के लिए योजना बनाना आवश्यक होता है। योजना आपके पाठों को स्पष्ट और सुसामयिक बनाने में सहायक होता है, जिससे विद्यार्थी सक्रिय और आकृष्ट हो सकते हैं। प्रभावी योजना में कुछ अंतर्निहित लचीलापन भी होता है ताकि अध्यापकों को पढ़ाते समय विद्यार्थियों के बोध के बारे में जो कुछ पता चलता है वे उसके प्रति अनुक्रिया कर सकते हैं। पाठों की शृंखला की योजना बनाने में विद्यार्थियों और उनके पूर्व ज्ञान तथा पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रगति के अर्थ को जानना, और विद्यार्थियों की सीखने में मदद के लिए सर्वोत्तम संसाधनों और गतिविधियों को खोजना शामिल होता है।

योजना एक सतत प्रक्रिया है जो पाठों को अलग-अलग या एक के ऊपर दूसरे पाठ को विकसित करके पाठों की शृंखला तैयार करने में आपकी सहायता करती है। पाठ के योजना के चरण हैं:

- इस बारे में स्पष्ट रहना कि आपके विद्यार्थियों को प्रगति करने के लिए क्या चाहिए
- निर्णय करना कि आप किस तरह से पढ़ाएंगे जिसे विद्यार्थी समझें और आपको पता चलने वाली बातों के प्रति अनुक्रिया करने के लचीलेपन को आप कैसे बनाए रखेंगे
- इस बात का पुनरावलोकन करेंगे कि पाठ कितनी अच्छी तरह से पूरा किया गया और आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा है ताकि आप भविष्य के लिए योजना बना सकें।

पाठों की एक श्रृंखला की योजना बनाना

जब आप किसी पाठ्यक्रम का पालन करते हैं, तो योजना का पहला भाग है यह निश्चय करना कि पाठ्यक्रम के विषयों को खंडों या टुकड़ों में सर्वोत्तम ढंग से कैसे विभाजित किया जाय। आपको उपलब्ध समय और साथ ही विद्यार्थियों के प्रगति करने और कौशलों तथा ज्ञान को धीरे-धीरे बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार करना होगा। आपके अनुभव या साथियों के साथ चर्चाओं से आपको पता चल सकता है कि एक विषय को चार पाठों की जरूरत होगी, किंतु दूसरे विषय को केवल दो की। आपको इस बात से अवगत रहना चाहिए कि आप भविष्य में उस सीख पर अलग तरीकों से और अलग अलग समयों पर तब लौट सकते हैं, जब अन्य विषय पढ़ाए जाएंगे या विषय को विस्तारित किया जाएगा।

सभी पाठों की योजनाओं में आपको निम्न बातों के बारे में स्पष्ट रहना होगा:

- विद्यार्थियों को आप क्या पढ़ाना चाहते हैं
- आप उस अधिगम का परिचय कैसे देंगे
- विद्यार्थियों को क्या और क्यों करना होगा।

आप शिक्षण को सक्रिय और रोचक बनाना चाहेंगे ताकि विद्यार्थी सहज और उत्सुक महसूस करें। इस बात पर विचार करें कि पाठों की श्रृंखला में विद्यार्थियों से क्या करने को कहा जाएगा ताकि आप न केवल विविधता और रुचि बल्कि लचीलापन भी बनाए रखें। योजना बनाएं कि जब आपके विद्यार्थी पाठों की श्रृंखला में से प्रगति करेंगे तब आप उनकी समझ की जाँच कैसे करेंगे। यदि कुछ भागों को अधिक समय लगता है या वे जल्दी समझ में आ जाते हैं तो समायोजन करने के लिए तैयार रहें।

अलग-अलग पाठों की तैयारी करना

पाठों की श्रृंखला की योजना कर लेने के बाद, प्रत्येक पाठ की योजना उसकी प्रगति के आधार पर अलग से करना होगा जो विद्यार्थियों ने उस बिंदु तक की है। आप जानते हैं या पाठों की शृंखला के अंत में यह आप जान सकेंगे कि विद्यार्थियों ने क्या सीख लिया होगा, लेकिन आपको किसी अप्रत्याशित चीज को फिर से दोहराने या अधिक शीघ्रता से आगे बढ़ने की जरूरत हो सकती है। इसलिए हर पाठ की अलग से योजना बनानी चाहिए ताकि आपके सभी विद्यार्थी प्रगति करें और सफल तथा सम्मिलित महसूस करें।

पाठ की योजना के भीतर आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक गतिविधि के लिए पर्याप्त समय है और कि सभी संसाधन तैयार हैं, जैसे क्रियात्मक कार्य या सक्रिय समूहकार्य के लिए। बड़ी कक्षाओं के लिए सामग्रियों के योजना के हिस्से के रूप में आपको अलग–अलग समूहों के लिए अलग–अलग प्रश्नों और गतिविधियों की योजना बनानी पड़ सकती है।

जब आप नए विषय पढ़ाते हैं, आपको आत्मविश्वासी होने के लिए अभ्यास करने और अन्य अध्यापकों के साथ विचारों पर बातचीत करने के लिए समय की जरूरत पड़ सकती है।

तीन भागों में अपने पाठों को तैयार करने के बारे में सोचें। इन भागों पर नीचे चर्चा की गई है।

1 परिचय

पाठ के शुरू में, विद्यार्थियों को समझाएं कि वे क्या सीखेंगे और करेंगे, ताकि हर एक को पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है। विद्यार्थी जो पहले से ही जो जानते हैं उन्हें उसे साझा करने की अनुमति देकर वे जो करने वाले हों उसमें उनकी दिलचस्पी पैदा करें।

2 पाठ का मुख्य भाग

विद्यार्थी जो कुछ पहले से जानते हैं उसके आधार पर सामग्री की रूपरेखा बनाएं। आप स्थानीय संसाधनों, नई जानकारी या सक्रिय पद्धतियों के उपयोग का निर्णय ले सकते हैं जिनमें समूहकार्य या समस्याओं का समाधान करना शामिल है। उपयोग करने के लिए संसाधनों और उस तरीके की पहचान करें जिससे आप अपनी कक्षा में उपलब्ध स्थान का उपयोग करेंगे। विविध प्रकार की गतिविधियों, संसाधनों, और समयों का उपयोग पाठ के नियोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि आप विभिन्न पद्धतियों और गतिविधियों का उपयोग करते हैं, तो आप अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचेंगे, क्योंकि

3 पाठ की समाप्ति पर अधिगम की जॉच

हमेशा यह पता लगाने के लिए समय (पाठ के दौरान या उसकी समाप्ति पर) रखें कि कितनी प्रगति की गई है। जाँच करने का अर्थ हमेशा परीक्षा ही नहीं होती है। आम तौर पर उसे शीघ्र और उसी जगह पर होना चाहिए – जैसे योजनाबद्ध प्रश्न या विद्यार्थियों को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे प्रस्तुत करते देखना – लेकिन आपको लचीला होने के लिए और विद्यार्थियों के उत्तरों से आपको जो पता चलता है उसके अनुसार परिवर्तन करने की योजना बनानी चाहिए।

पाठ को समाप्त करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है शुरू के लक्ष्यों पर वापस लौटना और विद्यार्थियों को इस बात के लिए समय देना कि वे एक दूसरे को और आपको उस अधिगम में हुई उनकी प्रगति के बारे में बता सकें। विद्यार्थियों की बात को सुनकर आप सुनिश्चित कर सकेंगे कि आपको पता रहे कि अगले पाठ के लिए क्या योजना बनानी है।

पाठों की समीक्षा करना

हर पाठ का पुनरावलोकन करें और ; ु बात दर्ज करें कि आपने क्या किया, आपके विद्यार्थियों ने क्या सीखा, किन संसाधनों का उपयोग किया गया और सब कुछ कितनी अच्छी तरह से संपन्न हुआ ताकि आप अगले पाठों के लिए अपनी योजनाओं में सुधार या उनका समायोजन कर सकें। उदाहरण के लिए, आप निम्न का निर्णय कर सकते हैं:

- गतिविधियों में बदलाव करना
- ओपन (open) और क्लोज (closed) प्रश्नों की एक शृंखला तैयार करना
- जिन विद्यार्थियों को अतिरिक्त सहायता चाहिए उनके साथ अनुवर्ती सत्र आयोजित करना।

सोचें कि आप विद्यार्थियों के सीखने में मदद के लिए क्या योजना बना सकते थे या अधिक बेहतर कर सकते थे।

जब आप हर पाठ में से गुजरेंगे आपकी पाठ संबंधी योजनाएं अपरिहार्य रूप से बदल जाएंगी, क्योंकि आप हर होने वाली चीज का पूर्वानुमान नहीं कर सकते। अच्छी योजना का अर्थ है कि आप जानते हैं कि आप शिक्षण को किस तरह से करना चाहते हैं और इसलिए जब आपको अपने विद्यार्थियों के वास्तविक शिक्षण के बारे में पता चलेगा तब आप लचीले ढंग से उसके प्रति अनुक्रिया करने को तैयार रहेंगे।

संसाधन 3 : पठन के बाद की गतिविधियों के उदाहरण

पहले लघु कहानी, 'एक भिन्न प्रकार की बत्तख' पढ़ें। फिर नीचे पठन के बाद की गतिविधियों को देखें।

‘A Different Kind of Duck’

There was once a dog who wanted to be a duck. He lived on a farm with some ducks. Everywhere the ducks went, the dog went too.

The dog knew he did not look like a duck. Ducks have wings, and he didn’t. Ducks’ feet were big and flat, but his were small and round. Ducks had bills, but he had a little black nose. He was white like the ducks, but that was the only thing that was the same.

‘I’ll just be a different kind of duck,’ said the dog.

One morning the dog was with the ducks when they took off into the air. The dog ran after them, calling, ‘Come back, come back!’ He jumped into the air and flapped his legs to fly, but he just fell down instead.

'This is no fun,' thought the dog. 'Maybe I should be happy just being a dog.'

Worksheet

1. How is the dog different from the ducks in this story?
    a. The dog lived on a farm.
    b. The dog has a bill
    c. The dog has small, round feet.
2. What happened in the story that cannot happen in real life?
    a. The ducks swam in the water.
    b. The dog went everywhere with the ducks.
    c. The dog spoke to the ducks.
3. Fill in the Venn diagram (Figure R3.1) to show how the dog and the duck look alike and different from each other.

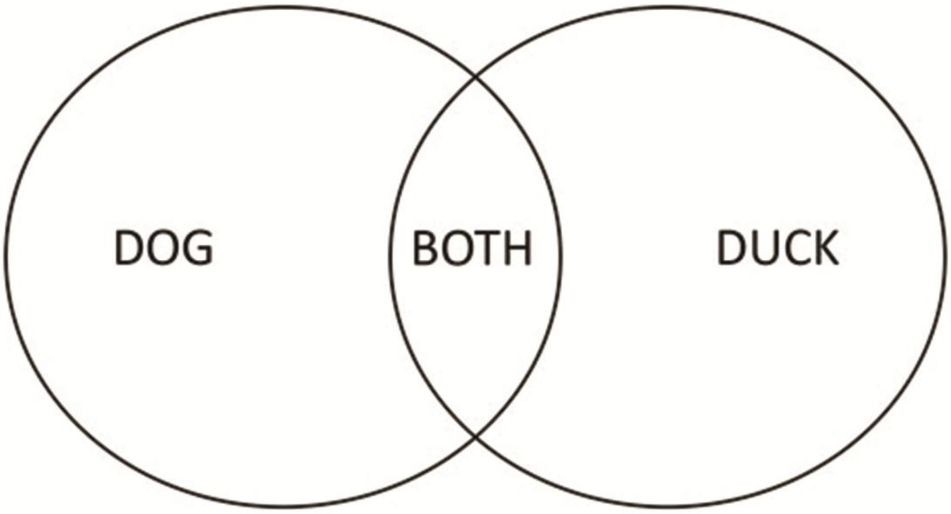

चित्र R3.1 वेन रेखाचित्र।

4. What would happen if the dog had wings? What would happen if you had wings?

Sentence completion

Complete the sentences below using the appropriate words: 'flew', 'fly', 'lived', 'tried', 'wanted', 'tried', 'knew', 'ran', 'run', 'barked' and 'bark'.

1. A dog and some ducks ____________ on a farm.
2. Ducks can ____________ while a dog can ____________.
3. The dog ____________ it cannot ____________, but it ____________ to.
4. When the ducks ____________ the dog ____________ behind them.
5. Though it ____________ the dog could not ____________. It thought, 'Ducks cannot ____________ like me.'

In shared reading using a large text, you can 'hide' words and ask students to predict the word that is covered. You can also hide part of a word and ask students to predict the covered word based on the first letter they see. This is an effective way to help students focus on initial letter sounds of words. For example: 'Ducks can f___ while a dog can r___.'

Table completion

Make as many meaningful sentences as possible from Table R3.1.

Table R3.1 Make as many meaningful sentences as possible from this table.

<table>
<tr><td rowspan="2">Dogs</td><td rowspan="2">can</td><td>bark.</td></tr>
<tr><td>swim.</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Ducks</td><td rowspan="3">cannot</td><td>run.</td></tr>
<tr><td>fly.</td></tr>
<tr><td>I</td><td>sing.</td></tr>
</table>

Story wheel

Use the template in Figure R3.2 to make your story wheel. Write the title of the story in the centre circle. Draw pictures or write what the dog did and what the ducks did in the four quadrants of the outer circle. Have students tell their stories, using their story wheels.

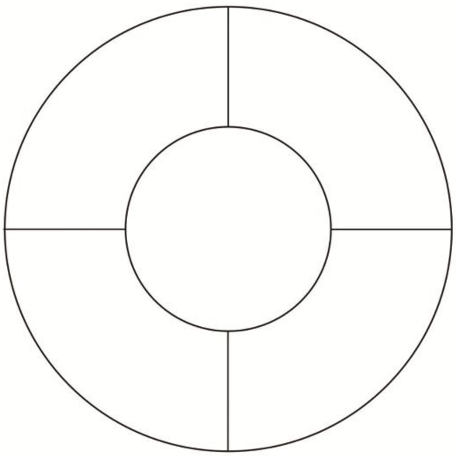

चित्र R3.2 कहानी चक्र का टेम्प्लेट।

You can make a story wheel with more sections. If you put a pin in the centre of the wheel and attach the wheel to a larger piece of paper, you can turn the wheel to show each section of the story (Figure R3.3). Students can also make paper arrows that point to each section of the story.

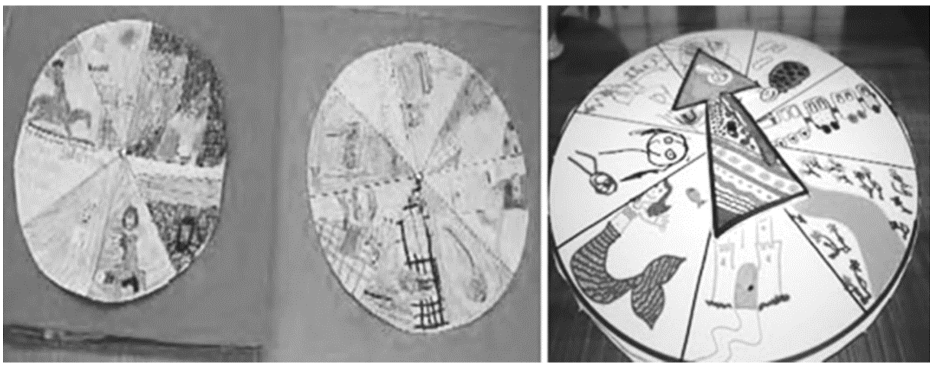

चित्र R3.3 कहानी चक्रों के उदाहरण।

अतिरिक्त संसाधन

- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy*. Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties' in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read*. London: Routledge.

Goswami U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages', in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling*. Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका मतलब है इस सामग्री का अननुकूलित रूप में उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और बाद के किसी भी OER संस्करण में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार प्रकट किया जाता है:

चित्र 1: (Figure 1:) http://www.peaceloveandfirstgrade.com/2013/07/tape-in-classroom.html. से

चित्र 2: (Figure 2:) TESS-India के लिए लिया गया। (taken for TESS-India)

चित्र आर 2.3: (Figure R2.3: from) http://reading.ecb.org/ downloads/ sum_lp_StoryWheel.pdf से.

संसाधन 1: (Resource 1:) 'ए लिटिल रेड हेन' (एक लोकप्रिय बच्चों की कहानी) कर्नाटक में प्राथमिक सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों के शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए तैयार की गई एक पुस्तिका के भाग के रूप में RVEC द्वारा अनुकूलित और पुनःलिखित। ('A Little Red Hen' (a popular children's tale) adapted and rewritten by RVEC as part of a handbook we had prepared for teacher educators of elementary pre-service teacher education colleges in Karnataka.)

संसाधन 1: (Resource 1:) 'शर्मा का उपहार' RVEC द्वारा विकसित ('Sharma's Present' developed by RVEC) (http://www.rvec.in/)

संसाधन 3: 'एक अलग तरह की बतख' (एक लोकप्रिय बच्चों की कहानी) कर्नाटक में प्राथमिक सेवापूर्व शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों के शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए तैयार की गई एक पुस्तिका के भाग के रूप में RVEC द्वारा अनुकूलित और पुनःलिखित। ('A Different Kind of Duck' (a popular children's tale) adapted and rewritten by RVEC as part of a handbook prepared for teacher educators of elementary pre-service teacher education colleges in Karnataka.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत-भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थी के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन युनिवर्सिटी के साथ काम किया।